SA-05

June - Examination 2016

B.A. Pt. III Examination

नाटक तथा व्याकरण

Paper - SA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per given instructions.

निर्देश : यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों 'अ', 'ब' एवं 'स' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

Section - A $10 \times 2 = 20$

(Very Short Answer Type Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the questions. Delimit your answers in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न) अनिवार्य

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) महर्षि कण्व के दो शिष्यों के नाम लिखिये।

(ii) राजा दुष्यन्त की माता के द्वारा दुष्यन्त को क्या संदेश भेजा गया था?

(iii) 'गौतमी' कौन थी?

(iv) देवराज इन्द्र के यहाँ से वापिस लौटते हुए राजा दुष्यन्त किस ऋषि के आश्रम में रुके थे?

(v) महर्षि दुर्वासा ने प्रियम्वदा को शाप से मुक्ति का क्या उपाय बताया था?

(vi) ऋषि के आश्रम में सिंहशावक के साथ क्रीड़ा करते हुए बालक का क्या नाम था?

(vii) 'भू' धातु लोट् लकार उत्तम पुरुष का रूप लिखिये।

(viii) प्रकृति व प्रत्यय बताइये – विमुच्य, पूजनीय

(ix) प्रत्यय पहचानिये – श्रीमान्, बन्धुता

(x) तिङ् शित् सार्वधातुकम् सूत्र का अर्थ लिखिये।

Section - B $4 \times 10 = 40$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) नाटक में विषकम्मक को स्पष्ट कीजिए।

3) निम्न श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
चलापाङ्गां दृष्टिं स्पृशसि बहुशो वेपधुमतीं
रहस्याख्यायीव स्वनसि मृदु कर्णान्तिकचर:।
करौ व्याधुन्वत्या: पिबसि रति सर्वस्वमधरं
वयं तत्त्वान्वेषान्मधुकर हतास्त्वं खलु कृती।।

4) निम्न श्लोक की हिन्दी में व्याख्या कीजिये।
साक्षात् प्रियामुपगतामपहाय पूर्वं
चित्रार्पितां पुनरिमां बहु मन्यमान:।
स्रोतोवहां पधि निकामजलामतीत्य
जात: सखे प्रणयवान् मृगतृष्णिकायाम्।।

5) निम्न श्लोक की संस्कृत भाषा में व्याख्या करें।
ययातेरिव शर्मिष्ठा भर्तुर्बहुमता भव।
सुतं त्वमपि सम्राजं सेव पूरमवाप्नुहि ।।

6) निम्न श्लोक की संस्कृत भाषा में व्याख्या करें।
उद्गलित दर्भकवला: मृग्य: परिव्यक्तनर्तना: मयूरा:।
अपसृतपाण्डुपत्रा मुञ्चन्त्यश्रूणीव लता:।।

7) निम्न सूक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
अहो विघ्नवत्य: प्रार्थितार्थ सिद्धय:

8) निम्न सूक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र

9) निम्नलिखित में से किसी दो सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

(i) झोडन्तः

(ii) ऋहलोर्ण्यत्

(iii) ण्वुलतृचौ

(iv) अत इञ्

Section - C

$2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your answers maximum 500 words. Each question carries 20 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपको अपने उत्तर 500 शब्दों तक परिसीमित करने हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं चार पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि करें – अभवन्, भविष्यति, भवेः, भवामि।

11) अभिज्ञान शाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक की श्रेष्ठता सिद्ध कीजिये।

12) 'उपमा कालिदासस्य' अभिज्ञावशाकुन्तलम् के आधार पर कालिदास की उपमाओं पर लेख लिखिए।

13) निम्न में से किन्हीं दो सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें – अश्वपत्यादिभ्यश्च, आर्धधातुकस्येट्, वलादेः, मेर्निं, लुट् शेषे च।